नवोन्मेषी कृषक के सफलता की कहानी

डा0 प्रशान्त कुमार, डा0 शालिनी, डा0 मो0 मुस्तफा, डा0 एस. पी. सोनकर एवं डा0 एस. पी. एस. सोमवंशी
कृषि विज्ञान केन्द्र, हमीरपुर–बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा (उ0 प्र0)

शीर्षकः हमीरपुर के सरसई गाँव में सब्जी एवं फल उत्पादन के द्वारा कृषि क्रांति

कृषक का सामान्य परिचय (संपर्कसूत्रः 9450264391)

कृषक श्री सतीश कुमार पालीवाल पुत्र स्वर्गीय श्री भगवती प्रसाद उम्र 55 वर्ष ग्राम–सरसई पोस्ट व ब्लॉक–कुरारा, जिलाः हमीरपुर (उ. प्र.) के निवासी हैं। इन्होने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से बी.एस.सी. (कृषि) की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात अपने 4.4 हेक्टेयर भूमि में कृषि कार्य आरम्भ किया।

कृषक की पूर्व स्थिति : कृषक श्री सतीश कुमार पालीवाल जी 2010 से पहले गेहूं व दलहनी फसलों की पुरानी प्रजातियों की खेती पुरानी विधियों से किया करते थे। जिससे इनकी औसत आय कम थी। ये उर्द, मूंग, तिल, गेहू, चना, सरसों, मसूर, मटर जैसी फसलों की खेती करते थे । जिससे कि एक सामान्य कृषक के श्रेणी में आते थे। इस प्रकार के खेती से उन्हें आर्थिक लाभ नहीं होता था और वे एक सामान्य किसान के रूप में जीवन यापन करते थे।

कृषक की वर्तमान स्थिति : कृषक श्री सतीश कुमार पालीवाल जी के द्वारा उद्यानिकी के माध्यम से आर्थिक उन्नति। कृषक मई 2010 में कृषि विज्ञान केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त करनें के पश्चात पहले 1 हेक्टेयर प्रक्षेत्र में आम का बगीचा लगवाया तथा साथ ही साथ 3.4 हेक्टेयर में सब्जियों व अन्य फसलों की खेती करना प्रारम्भ किया। जिससे आज 2019 –20 में आम की फसल से लगभग 90 कुंतल आम के साथ–साथ सब्जियों से लगभग 800 कुंतल सब्जियों का उत्पादन प्राप्त होता है जिसमें लगभग 235 कुंतल प्रति हेक्टयर की दर से उत्पादन प्राप्त हो जाता है। साथ ही साथ उर्द, मूँग, चना व मटर से 52 कुंतल उत्पादन प्राप्त होता है।

तालिकाः 1 कृषक का 4.4 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर उद्यानिकी फसल प्रणाली

क्रं.सं.	फसल का नाम	प्रजातियाँ	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (कुं.)
1.	आम	दशहरी, चौसा	1.0	90
2.	सब्जियाँ (खरीफ प्याज, सब्जी मटर, लौकी)	खरीफ प्याज–एग्री फाउंड डार्क रेड	2.	800
3.	उर्द, मूँग, चना, मटर	शेखर, सम्राट, जे.जी.–14, अमन	1.4	52

आर्थिक विश्लेषणः कृषक श्री सतीश पालीवाल का 1 हेक्टयर के आम के उत्पादन में लगभग रुपये 40000 का खर्च आता है तथा उत्पादन लगभग 90 कुंतल फल का हो जाता है जो 2000 कुंतल के भाव से रुपये 180000 का बाजार भाव प्राप्त होता है। कृषक को आम से कुल शुद्ध लाभ लगभग रुपये 140000 प्राप्त हो जाता है फल से प्राप्त लागत लाभ अनुपात 3.5:1.0 प्राप्त होता है। साथ ही साथ सब्जियों के उत्पादन में लगभग रुपए 120000 का खर्च आता है जिससे उनको सम्पूर्ण उत्पादन लगभग 800 कुंतल प्राप्त हो जाता है जिससे कृषक को रुपये 1000 प्रति कुंतल के दर से लगभग रुपये 800000 प्राप्त हो जाते हैं। कृषक को कुल सब्जी से शुद्ध लाभ के रूप में लगभग रुपए 680000 के आस पास प्राप्त हो जाता हैं। सब्जियों से कुल शुद्ध लाभ रुपये 680000 प्राप्त होते है। इसमें लागत लाभ अनुपात 1: 5.6 आता है। कृषक को सब्जियों के उत्पादन से वार्षिक आय लगभग रुपए 680000 तथा फल से रुपए 140000 प्राप्त हो जाते है।

तालिकाः 2: उद्यानिकी फसल प्रणाली का आर्थिक विश्लेषण

क्रं. सं.	वर्ष	फसल का नाम	क्षेत्रफल	कुल लागत (रुपये)	कुल आय (रुपये)	शुद्ध लाभ (रुपये)	लगत लाभ अनुपात	वार्षिक आय (रुपये)
1.	2009–10 तक इस प्रकार से आय प्राप्त किया	परंपरागत कृषि (गेहूँ,उर्द, मूंग, धान,तिल, गेहू, चना, सरसों, मसूर, मटर)	4.4	105600	281600	176000	1:1.66	176000
2.	2018–19 में प्राप्त आय	आम	1.0	40000	180000	140000	1:3.5	140000
3.		सब्जी उत्पादन	3.4	120000	800000	680000	1:5.6	680000

समाजिक विश्लेषणः कृषक के द्वारा फल एवं सब्जी की खेती में विभिन्न प्रकार की फसलों में नई–नई प्रजातियों एवं तकनीकियों का प्रयोग करने से उनके उत्पादन में जो बृद्धि हुई उससे गाँव के किसान प्रभावित होकर फल एवं सब्जियों की खेती करना प्रारंभ कर दिये। कृषक के द्वारा सभी किसानो को समय समय पर विभिन्न प्रकार का सहयोग दिया जाता है। कृषक के द्वारा हमीरपुर के क्षेत्र मे आम तथा खरीफ प्याज एवं सब्जी मटर की खेती कर क्रांतिकारी परिवर्तन लाने का सफल प्रयास किया गया है। कृषक के गाँव के किसान इन फसलों की तरफ अधिक आकर्षित हुए है। श्री सतीश पालीवाल नें उद्यानिकी फसलों को अपना कर जो लाभ प्राप्त किया उससे कृषक नें एक ट्रैक्टर, सिंचाई के यंत्र, एक मोटर साइकिल, इत्यादि को खरीदा जिससे उनकी खेती का विकास हुआ तथा उनके जीवन स्तर में सुधार आया।

तकनीकी इकाई की फोटो :

श्री सतीश पालीवाल जी एवं के.वी.के. वैज्ञानिक खरीफ प्याज (प्रजाति–एग्री फाउंड डार्क रेड) की फसल के साथ

श्री सतीश पालीवाल जी एवं के.वी.के. वैज्ञानिक, सब्जी मटर प्रजाति– काशी उदय की फसल के साथ

प्रक्षेत्र दिवस– सब्जी मटर प्रजाति– काशी उदय के फसल के साथ के.वी.के. के वैज्ञानिक एवं किसान श्री सतीश पालीवाल